मुरिया जनजाति

स्रोत: द हिंदू

- **आंध्र प्रदेश** व **छत्तीसगढ़** के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में निवास करने वाली **मुरिया/मुड़िया जनजाति** के पास दोनों राज्यों से प्राप्त मतदाता कार्ड हैं, एक उनके मताधिकार का प्रयोग करने के लिये है एवं दूसरा उनके जन्म के संदर्भ और प्रमाण के लिये।
- यह बस्ती **नक्सलवाद** से प्रभावित आंध्र प्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा पर 'भारत के **रेड कॉरिडोर**' के भीतर स्थित है जो आरक्षित वन के भीतर स्थित एक मरूद्यान (Oasis) है तथा यह बस्ती और निर्वनीकरण पर प्रतिबंध लगाने वाले सख्त कानूनों द्वारा संरक्षित है।
- मुरिया निवास स्थान को **आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (IDPs)** के घर के रूप में जाना जाता है, जिनकी आबादी आंध्र प्रदेश में लगभग 6,600 है और यहाँ के मुरियाओं को मूल जनजातियों द्वारा **'गुट्टी कोया'** कहा जाता है।
- यह जनजाति **माओवादियों** और **सलवा जुडूम** के बीच संघर्ष के दौरान विस्थापित हुई थी।
    - सलवा जुडूम गैरकानूनी सशस्त्र नक्सलियों के खिलाफ प्रतिरोध के लिये संगठित जनजातीय व्यक्तियों का एक समूह है।
    - कथित तौर पर इस समूह को छत्तीसगढ़ में सरकारी मशीनरी का समर्थन प्राप्त था।
- **मुरिया** भारत के छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले का एक मूल **आदिवासी**, अनुसूचित जनजाति **द्रविड़** समुदाय है। वे **गोंडी** समुदाय का हिस्सा हैं।
    - वे कोया (एक द्रविड़) भाषा बोलते हैं।
    - उनका विवाह और समग्र जीवन के प्रति प्रगतिशील दृष्टिकोण है।

और पढ़ें: **मुरिया जनजाति**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/muria-tribe-1